बिहार विधान सभा वादवृत्त

भारत के संविधान के उपबन्ध के अनुसार एकत्र विधान सभा का कार्य विवरण।

सभा का अधिवेशन पटने के सभा सदन में मंगलवार, तिथि १३ मार्च १९५६, को ११ बजे पूर्वाह्न में माननीय अध्यक्ष श्री विन्ध्येश्वरी प्रसाद वर्मा के सभापतित्व में हुआ।

अल्प-सूचना प्रश्नोत्तर।

SHORT-NOTICE QUESTIONS AND ANSWERS.

ऊख ढोने की व्यवस्था।

२२०। श्री चेतू राम—क्या मंत्री, विकास (ईख) विभाग, यह बताने की कृपा करेंगे कि—

(१) क्या यह बात सही है कि गया जिला अन्तर्गत काशीचक स्टेशन पर ऊख ढोने के वास्ते पाइलट नहीं दी जाती है ;

(२) क्या यह बात सही है कि गया से वारसलीगंज पाइलट रोज आया जाया करती है ;

(३) क्या यह बात सही है कि काशीचक के रेरीआ के किसानों का ऊख पाइलट नहीं जाने की वजह से यूं ही पड़ा है और करीब-करीब ४७५ एकड़ का ऊख खेतों में पड़ा है ;

(४) क्या यह बात सही है कि सप्ताह में दो रोज ऊख ढोने के लिए रेल का डब्बा मिलता है ;

(५) क्या यह बात सही है कि किसानों को ऊख ठीक समय पर नहीं लेने से क्षति उठानी पड़ती है, यदि हां, तो सरकार जल्द-से-जल्द काशीचक स्टेशन तक पाइलट भेजकर किसानों के ऊख वारसलीगंज मोहनी सुगर मिल में पहुंचाने की व्यवस्था करने का विचार करती है, यदि हां, तो कब तक, यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री महेश प्रसाद सिंह—(१) उत्तर नकारात्मक है। काशीचक स्टेशन से ईख ढोने के लिए एक पाइलट ६ मार्च १९५६ से चल रही है।

(२) उत्तर स्वीकारात्मक है।

(३) प्रश्न नहीं उठता। ऐसी बात नहीं है कि इस क्षेत्र में इतना ज्यादे ईख है।

(४) उत्तर नकारात्मक है। ऊख ढोने के लिए रेलवे अधिकारी डब्बा दे रहे हैं और ऐसी उम्मीद की जाती है कि उस क्षेत्र का सारा गन्ना मिल द्वारा ले लिया जायगा।

(५) इसकी व्यवस्था सरकार द्वारा की गई है और ६ मार्च १९५६ से पाइलट चल रही है। जैसा कि पहले कहा जा चुका है सरकार ने किसानों के लिए समुचित प्रबंध कर लिया है और काशीचक स्टेशन तक पाइलट चलाने का प्रबंध कर दिया गया है जिससे उस क्षेत्र के किसानों का सारा गन्ना समय पर मिल में चला जायगा।

श्री दारोगा प्रसाद राय—मैं जानना चाहता हूं कि अभी वर्त्तमान में घोड़ासहन रक्सौल पशु-चिकित्सालय से कनेक्टेड है या नहीं?

श्री दीप नारायण सिंह—इसके लिए नोटिस चाहिए।

(तारांकित प्रश्न संख्या ११५७ पूछा गया।)

श्री सुखलाल सिंह—द्वितीय पंचवर्षीय योजना में सरकार ने कहा है कि हरएक थाने में एक-एक पशु-चिकित्सालय खोला जायगा। तो मैं जानना चाहता हूं कि क्या सरकार के पास इतने डाक्टर तैयार हो गए हैं जो सभी अस्पताल में भेजे जा सकें?

श्री गुप्तनाथ सिंह—मेरा प्वायन्ट ऑफ आर्डर है। वह यह है कि जब दूसरा प्रश्न पूछ दिया गया तो क्यों फिर उस प्रश्न से पहले के लिए पूरक पूछने की इजाजत दी गई और वह किस नियम के मुताबिक दी गई है?

उपाध्यक्ष—मैंने इजाजत दी थी एवं ऐसी अनुमति मैं दे सकता हूं।

श्री सुखलाल सिंह—मैं पूछना चाहता हूं कि द्वितीय पंचवर्षीय योजना में जितने डाक्टरों की जरूरत होगी उतने डाक्टर मिल सकेंगे या नहीं?

श्री दीप नारायण सिंह—डाक्टरों को उपलब्ध करने का प्रबन्ध कर लिया गया है।

श्री रामचन्द्र प्रसाद यादव—अभी सरकार ने बताया है कि प्रत्येक थाने में वेटेनरी अस्पताल खुलनेवाले हैं तो क्या सरकार बताएगी कि वेटेनरी अस्पताल थाने के हेड-क्वार्टर्स में खुलेगा या थाने की ऐसी जगहों पर जहां से सब लोगों को सुविधा हो सके?

श्री दीप नारायण सिंह—यह सवाल सरकार के विचाराधीन है लेकिन अभी तक सरकार की नीति है कि थाने के हेडक्वार्टर्स में और जो अंचल के हेडक्वार्टर्स बनेंगे, वहां खोला जायगा। इसके अलावे विशेष कारणों से जब कोई स्थान उपयुक्त माना जायगा तो वहां भी खोला जायगा।

श्री जगन्नाथ सिंह—अगर कहीं पब्लिक से कंट्रीब्युशन मिले और जमीन भी मिले तो सरकार वहां वेटेनरी अस्पताल खोलने का विचार रखती है या नहीं?

श्री दीप नारायण सिंह—स्थान मुकर्रर करने के समय इस बात पर भी विचार किया जायगा।

श्री जमुना प्रसाद सिंह—आपने पहले कहा थानावाइज और अब कह रहे हैं अंचलवाइज और थानावाइज। तो क्या अंचलवाइज भी होगा?

उपाध्यक्ष—थाने में भी होगा और अंचल में भी होगा। जहां सुविधा होगी, वहां होगा।